JANUARY TO MARCH 2017-18

आगामी तीन माह की प्रस्तावित गतिविधियाँ

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थि
1.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	गेहूं	G.W. 366	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
3.	चना	जे.जी. 14	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
4.	गेहूं	G.W. 366	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
5.	गन्ना	co-86032	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
6.	गन्ना	co-86032	लाल सड़न रोग प्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
7.	मशरूम		मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन		
8.	मछली		मछली सह बतख पालन का प्रदर्शन	1.0	06
9.	मछली		मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	06
10.	मछली		ग्रास कार्प मछली के बढवार का प्रदर्शन	1.0	06
योग				33	90

प्रक्षेत्र परिक्षण

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थि
1.	अरहर	आशा	रबी अरहर का आकलन	1.0	05
2.	चना	जे.जी. 14	चने की कतार बोनी हेतु ब्राड वेड का आकलन	1.0	05
3.	चना	जे.जी. 14	चने की कालर रॉट रोग प्रबंधन हेतु ट्राइकोडर्मा विरडी का आकलन	0.8	04
4.	टमाटर		टमाटर के झुलसा रोग प्रबंधन का आकलन	0.8	04
5.	धान गन्ना		फसल अवशेषो के अपघटन हेतु ट्राइकोडर्मा के प्रयोग का आकलन	0.8	04
6.	गेहूं	G.W. 366	स्वचलित रीपर द्वारा गेहूं कटाई का आकलन	0.8	04
7.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
8.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से अंगुलिका) उत्पादन का आकलन	0.5	04
9.	मछली		जलीय किड़े के विनाश पश्चात् मत्स्य बीज उत्पादन नर्सरी तालाब बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
योग				6.7	38

TSP-अंतर्गत प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
योग				10	25

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	4	1	80
2.	पौध संरक्षण	4	1	80
3.	मत्स्यकी	4	1	80
4.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	80
योग		16		320

प्रक्षेत्र मे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	गन्ना	co-86032	आधार	0.4
2.	गन्ना	co-94008	आधार	0.4
3.	गन्ना	co-671	आधार	0.4
4.	गन्ना	co-99004	आधार	0.4
5.	गन्ना	co-85004	आधार	0.4
योग				2.0

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	10	60
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	100	100
योग	110	160

बीजोत्पादन कार्यक्रम रबी -17-18

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	प्रमाणित	3.8
2.	मुंग	पैरीमुंग	प्रजनक	1.0
3.	तिवड़ा	महातिवड़ा	प्रजनक	2.0
योग				6.8

समूह प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	चना	जे.जी. 14	50	125
2.	सरसो	पुसा विजय	15	37
3.	अलसी	RLC-92	15	38
योग			80	200

सीड हब योजनान्तर्गत बीजोत्पादन कार्यक्रम-17-18

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	प्रमाणित	58.4
योग				72.2

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

बुक-पोस्ट
भारत शासन सेवार्थ

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
पिन-491995
फोन/फैक्स 07741-299124
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in

प्रति,
श्री/श्रीमती/डॉ. ....
....
....

उन्नत कृषि — समृद्ध किसान

इंदिरा किसान मितान

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक-29 | त्रैमासिक पत्रिका, जनवरी, फरवरी, मार्च 2018 | वर्ष-11

संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल
कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. एम.पी.ठाकुर
निदेशक विस्तार सेवाएँ, इं.गां.कृ.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा
निर्देशक- ICAR-ATARI
जोन-9 जबलपुर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :
डॉ. बी.पी.त्रिपाठी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : श्री बी.एस. परिहार
विषय वस्तु विषेशज्ञ
सस्य विज्ञान

सह संपादक :
इं.टी.एस.सोनवानी
विषय वस्तु विषेशज्ञ
कृषि अभियांत्रिकी
कु.मनीषा खापर्डे
विषय वस्तु विषेशज्ञ
मात्स्यिकी
श्री वाई.के. कौशिक
कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर)

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

स्वच्छता ही सेवा दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा के द्वारा दिनांक 15.2.2017 से 2.10.2017 तक स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत दिनांक 2.10.2017 को स्वच्छता ही सेवा दिवस मनाया गया जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों के द्वारा स्वच्छता का शपथ लिया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र प्रशासनिक भवन की साफ –सफाई की गई एवं भवन परिसर को कचरा मुक्त किया गया। इस पूरे आयोजन के दौरान विभिन्न गांवो में जाकर रैली के माध्यम से जागरूकता फैलाई गई तथा शाला भवनों के आस पास ,जलस्त्रोतो ,आंगनबाडीयों एवं ग्रामपंचायतों में ग्रामीणों के साथ मिलकर सफाई करके स्वच्छता का सन्देश दिया गया ।

किसान मेला सह रोजगार मेला का आयोजन

किसान मेला सह रोजगार मेला का आयोजन दिनांक 6.10.2017 को पीजी कॉलेज परिसर में किया गया था । जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा एवं संत कबीर कृषि महाविद्यालय के साथ मिलकर स्टॉल लगाया गया जिसमें गन्ने के उन्नत प्रजातियों एवं जैविक खाद के विषय में किसानों को अवगत कराया गया ।

महिला कृषक दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र , कवर्धा के द्वारा दिनांक 17.10.2017 को ग्राम पनेका में महिला दिवस मनाया गया जिसमें 50 महिला कृषको ने भाग लिया महिलायों को स्वंय सहायता समूह बनाकर आत्मनिर्भर बनने कि प्रेरणा दी गई एवं उन्नत खेती के विषय में जानकारी दी गई ।

प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र , कवर्धा के द्वारा दिनांक 1.11.2017 को अरहर एवं सोयाबीन में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया जिसमें अरहर की उन्नत किस्म राजीव लोचन एवं सोयाबीन की उन्नत किस्म जे.एस. 9752 के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। अतिथियों एवं कृषकों को प्रक्षेत्र का भी भ्रमण कराया गया जिसमें लगभग 100 कृषकों एवं महिला कृषकों ने भाग लिया ।

मृदा स्वास्थ दिवस मनाया गया

कृषि विज्ञान केन्द्र , कवर्धा एवं कृषि विभाग, कवर्धा के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 5.12.2017 को मृदा स्वास्थ दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र , कवर्धा में किया गया जिसमें जनप्रतिनिधियो, विभिन्न विभागो के अधिकारी कर्मचारी के साथ 700 कृषको ने भाग लिया ।

JANUARY TO MARCH 2017-18

विगत तीन माह की गतिविधियाँ

मशरुम उत्पादन प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र , कवर्धा के द्वारा मुख्यमंत्री कौशल विकास के अर्न्तगत मशरुम उत्पादन विषय पर 90 घण्टे प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 20 अभ्यार्थी शामिल हुऐ ।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थि
1.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
2.	गेहूं	G.W. 366	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
3.	चना	जे.जी. 14	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
4.	गेहूं	G.W. 366	सिड कम फर्टिलाइजर ड्रिल से कतार बोवाई का प्रदर्शन	5.0	12
5.	गन्ना	co-86032	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	5.0	12
6.	गन्ना	co-86032	लाल सड़न रोग प्रबंधन का प्रदर्शन	5.0	12
7.	मशरूम		मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन		
8.	मछली		मछली सह बतख पालन का प्रदर्शन	1.0	06
9.	मछली		मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन	1.0	06
10.	मछली		ग्रास कार्प मछली के बढवार का प्रदर्शन	1.0	06
योग				33	90

प्रक्षेत्र परिक्षण

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	लाभार्थि
1.	अरहर	आशा	खरी अरहर का आकलन	1.0	05
2.	चना	जे.जी. 14	चने की कतार बोनी हेतु ब्राड बेड का आकलन	1.0	05
3.	चना	जे.जी. 14	चने की कालर रॉट रोग प्रबंधन हेतु ट्राइकोडर्मा विरडी का आकलन	0.8	04
4.	टमाटर		टमाटर के झुलसा रोग प्रबंधन का आकलन	0.8	04
5.	धान गन्ना		फसल अवशेषो के अपघटन हेतु ट्राइकोडर्मा के प्रयोग का आकलन	0.8	04
6.	गेहूं	G.W. 366	स्वचलित रीपर द्वारा गेहूं कटाई का आकलन	0.8	04
7.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
8.	मछली		नर्सरी तालाब में मत्स्य बीज (जीरा से अंगुलिका) उत्पादन का आकलन	0.5	04
9.	मछली		जलीय किड़े के विनाश पश्चात् मत्स्य बीज उत्पादन नर्सरी तालाब बीज (जीरा से फ्राई) उत्पादन का आकलन	0.5	04
योग				6.7	38

प्रक्षेत्र मे गन्ना बीज उत्पादन कार्यक्रम

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	गन्ना	co-86032	आधार	0.4
2.	गन्ना	co-94008	आधार	0.4
3.	गन्ना	co-671	आधार	0.4
4.	गन्ना	co-99004	आधार	0.4
5.	गन्ना	co-85004	आधार	0.4
योग				2.0

विस्तार गतिविधियाँ

विषय	संख्या	लाभार्थी
वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण	9	55
केन्द्र पर कृषको का भ्रमण	101	105
योग	110	160

बीजोत्पादन कार्यक्रम रबी -17-18

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	प्रमाणित	3.8
2.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	2.0
3.	मुंग	पैरीमुंग	प्रजनक	1.0
4.	तिवड़ा	महातिवड़ा	प्रजनक	2.0
योग				8.8

समूह प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	रकबा (हे.)	लाभार्थी
1.	चना	जे.जी. 14	50	125
2.	सरसो	पुसा विजय	15	37
3.	अलसी	RLC-92	15	38
योग			80	200

सीड हब योजनान्तर्गत बीजोत्पादन कार्यक्रम-17-18

क्र.	फसल	किस्म	बीज की श्रेणी	रकबा (हे.)
1.	अरहर	राजीवलोचन	आधार	13.8
2.	चना	जे.जी. 14	प्रमाणित	58.4
योग				72.2

TSP-अंतर्गत प्रदर्शन

क्र.	फसल	किस्म	प्रयोग की जाने वाली तकनीक	रकबा (हे.)	रकबा (हे.)
1.	चना	जे.जी. 14	उन्नत किस्म का प्रदर्शन	10	25
योग				10	25

कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

क्र.	विषय	संख्या	अवधि	प्रशिक्षणार्थी
1.	फसल उत्पादन	5	1	80
2.	पौध संरक्षण	4	1	75
3.	मत्स्यकी	6	1	80
4.	कृषि अभियांत्रिकी	4	1	82
योग		19		317

जनवरी

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- समय से बोये गेहूँ में 20-25 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें, किरीट जड़ अवस्था में नत्रजन डालें, एक माह बाद नींदा नियंत्रण करें।
- गन्ने की बुआई का कार्य पूर्ण करें।
- गन्ने की बुआई के समय बीजोपचार (टेबुकोनाजोल 0.01 प्रतिशत) को हिसाब से करें।
- चने में हल्की सिंचाई करें।
- चने में इल्ली नियंत्रण हेतु ट्राइजोफास 350 मि.ली. प्रति एकड़ के हिसाब से छिड़काव करें।
- चना, मटर, मसूर, सरसों , अलसी, में फूल आने के पूर्व सिंचाई करें कटुआ इल्ली के प्रकोप से रक्षा करें एवं असिंचित अवस्था में 2 प्रतिशत यूरिया घोल कीटनाशक के साथ ही छिड़काव करें।
- गन्ने की शीतकालीन फसल बढ़वार पर होती है अतः सिंचाई करना आवश्यक है।
- शीतकालीन गन्ने में नत्रजनयुक्त उर्वरक (यूरिया) का एक चौथाई भाग दें पकी हुई फसल की कटाई कर कारखाना अथवा बाजार भिजवाने की व्यवस्था करें, गुड़ बनाने का कार्य करें।

उद्यानिकी

- प्याज की फसल में नत्रजन की शेष आधी मात्रा देकर सिंचाई करें।
- प्याज में बैंगनी धब्बा रोग से बचाव के लिए ब्लाईटाक्स 50 या डायथेन एम - 45 नामक दवा का छिड़काव करें।
- टमाटर की फसल में अच्छी फलत के लिए लकड़ी लगाकर सहारा दें।
- आम के वृक्ष में चेपा कीट की रोकथाम के लिए ग्रीस का लेप मुख्य तनों पर जमीन से 1 मीटर की ऊँचाई तक करें।
- सब्जी फसलों में चूर्णी फंफूदी रोग से बचाव के लिए 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन घोल का छिड़काव 15 दिन के अंतराल से दो बार करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों को लगाने हेतु बीज को प्लास्टिक की थैली में लगाकर पॉलीहऊस में रखें जिससे अंकुरण शीघ्र होगा।
- जनवरी माह में टमाटर के पौधों को रोपने से अप्रैल माह में फल मिलना शुरूहो जाता है जबकि इस समय बाजार मूल्य अधिक मिलेगा।

पशुपालन -

- पशुओं को पेट के कीड़ो की दवाई नियमित दें।
- दुधारू पशु के थनैला रोग से बचाव के उपाय करें।
- पशुओं का बिछावन समय-समय पर बदलवाते रहें।
- अधिक बरसीम खिलाने से पशु को अफरा हो सकता है, अफरा होने पर 500 ग्राम सरसों के तेल में 60 ग्राम तारपीन का तेल मिला कर दें।
- पशु के सम्पूर्ण विकास के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम दें।

फरवरी

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- गन्ने की बुवाई उपरांत गुड़ई के समय कार्टाफ हाइड्रोक्लोराईड 4 जी 7 कि.ग्रा. प्रति एकड़ की दर से नालियो मे छिड़काव करें।
- गन्ने में खरपतवार नियंत्रण हेतु खरपतवारनाशी ऐट्राजीन का छिड़काव करें।
- बसंतकालीन गन्ने की उन्नत किस्म का चुनाव कर बीजोपचार कर लें, खेतों में नाली बनाकर खाद एवं उर्वरक डालें, गन्ने के दो से तीन आंखों वाले टुकड़े लगायें।
- मूंग, मक्का, उड़द, सूर्यमुखी, मूंगफली, तिल, लोबिया एवं चारा फसलो की बुआई करें।
- गेहूँ एवं अन्य रबी फसलो में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें, असिंचित अवस्था में 2-3 प्रतिशत यूरिया घोल का छिड़काव करें।
- बरसीम, जई, लूसर्न, मक्का आदि चारा फसलों में सिंचाई व अवस्थानुसार कटाई करें।
- जनवरी में बोई गई फसलों में सिंचाई व गुड़ाई करते रहें।
- तिवड़ा, मटर, चना की कटाई करें।

उद्यानिकी

- फलदार वृक्षों जैसे आम, आंवला, चीकू, कटहल आदि में फूल एवं फल आते समय सिंचाई बंद रखें।
- नये लगाये गये आम, अमरूद, आंवला, कटहल, चीकू, नीबू आदि पौधो में सिंचाई करें।
- आम का फुदका कीट एवं चूर्णी फफूदी से बचाव के लिए कार्बोरिल डस्ट 2 ग्राम और सल्फेक्स 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- फरवरी माह में केला एवं पपीता लगाने की तैयारी करें गोभीवर्गीय फसल में 750 मि.ली. मिथाइल डेमेटान 25 ई.सी. दवा छिड़के।
- आलू की फसल खुदाई के पहले सिंचाई बंद कर देवें और जमीन से ऊपर पौधे की कटाई कर दें, इससे आलू के कंद पुष्ट होगें।
- अदरक, हल्दी एवं कंद वर्गीय फसलों की खुदाई करें।
- कद्दूवर्गीय फसलों की बोआई एवं पहले से तैयार पौधों की रोपाई करें। भिण्डी की बोआई करें, धनिया एवं सौंफ की फसल में चूर्णी फफूंद से बचाव हेतु 0.2 प्रतिशत सल्फेक्स का छिड़काव करें।
- इस माह भिण्डी, मिर्च तथा खीरे की बुआई करें।
- केला पपीता लगाने की तैयारी करें।

पशुपालन -

- गाय व भैंस के गर्मी में आने पर उत्तम नस्ल के सांड से समय पर गाभिन करवायें।
- ब्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखते हुए अन्य पशुओं से अलग रखें।
- नवजात बछड़े-बछड़ियों को अन्य परजीवी नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के लिए दूध पूरा व मुठ्ठी बांध (फुल मिल्चिंग) कर निकालें।
- बरसीम व राई फसल की सही अवस्था पर चारे के लिए कटाई करते रहें।

मार्च

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- चना, अलसी, तिवड़ा, मटर, राजमा, मसूर, एवं सरसों इत्यादि फसलों की कटाई कर ग्रीष्म कालीन फसलों हेतु खेत की तेयारी करें।
- चना कटाई उपरांत उचित भण्डारण करें।
- गन्ने की बुआई बीजोपचार के बाद करें।
- गन्ने की शरद कालीन फसल में हल्की मिट्टी चढ़ायें तथा सिंचाई करते रहें अग्र तना छेदक कीट प्रकोप से फसल बचाने हेतु फोरेट 10 जी, या कार्बोयूरान 3 जी दानेदार दवा का प्रयोग करें।
- गन्ने की बोआई मासांत तक सम्पन्न करें, बोने के 7-10 दिन बाद बैल चलित हो द्वारा गुड़ाई करने से अंकुरण अच्छा होता है।
- गन्ने की पेड़ी फसल में उर्वरक व सिंचाई दें, तथा कीट प्रकोप होने पर कीट नाशक का प्रयोग करें।
- देर से बोये गये गेहूँ में अंतिम सिंचाई दुग्धावस्था पर करें।
- ग्रीष्म कालीन फसलों मे गुड़ाई व सिंचाई 10-15 दिन के अंतर से करें।
- चारे की फसलों की बुवाई करें।

उद्यानिकी

- आम, चीकू में फल विकसित होने का समय है अतः इन वृक्षों में 8-10 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों को कीड़ो से बचाव हेतु विष प्रपंच का प्रयोग करें या कार्बोरिल डस्ट का भुरकाव करें।
- टमाटर, बैंगर, मिर्च, भिण्डी आदि फसलों में निदाई-गुड़ाई कर सिंचाई करें।
- प्याज की तैयारी फसल की खुदाई से 10-15 दिन पहले पानी देना बंद कर दें एवं पत्तियों को जमीन की सतह सेझुका दें।
- प्रारंभ में गेंदा के तैयार पौध की खेत में रोपाई करें, ग्लैडियोलाई कंद की खुदाई कर ठंडे स्थानों पर भंडारण करें।
- नर्सरी में तैयार मेंथा पौध की रोपाई करें, बच के प्रकंदो की खुदाई करें तथा धूप में सुखायें।
- नीबू वर्गीय फलो को गिरने से बचाने के लिए 2,4 डी 10 मिली ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव फलो की आरंभिक अवस्था में करें।
- पपीते की नई फसल लगाने का प्रबंध करें।

पशुपालन -

- ब्याने वाले पशुओं को प्रसूति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें।
- पशु ब्याने के 1-2 घंटे के अंदर नवजात बछड़े-बछड़ियों को खीस अवश्य पिलायें।
- नवजात बछड़े- बछड़ियो को 10-15 दिन की आयु पर सींगरहित करवायें।
- पशुओं को संक्रामक रोगों के रोगरोधी टीको समय-समय पर अवश्य लगवाएं।
- खरीफ में हरा चारा लेने के लिए ज्वार एवं मक्का की बिजाई करें।